ST. ARNOLD'S CENTRAL SCHOOL, PUNE

PERIODIC TEST-2, 2017 - 18

SUBJECT – HINDI

STD-X MM : 80

(खंड 'क' – अपठित बोध)

प्र.१ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 09

समाज में सर्वाधिक साहस, सर्वाधिक ताकत यदि किसी के पास होती है तो वह युवा वर्ग के पास ही होती है। लेकिन ताकत सदैव अग्नि के समान होती है और अग्नि के विश्व में दो ही प्राकृतिक रूप विद्यमान हैं। एक रूप तो यह कि अग्नि जला सकती है और इस कदर जल सकती है कि सारे विश्व को राख के ढेर में बदल दे और दूसरा रूप यह है कि अग्नि प्रकाश दे सकती है और इस कदर प्रकाशित कर सकती है कि सारे विश्व में अंधकार समाप्त कर दे। मनुष्य एक बुद्धिमान प्राणी है जो अग्नि के इन दोनों रूपों का प्रयोग अपने हित के लिए करना जानता है। यदि रोटी को बिना तवे की सहायता से सेंका जाए तो रोटी बनाने के लिए तवे की जरूरत पडती है, उसी प्रकार ताकत का इस्तेमाल करने के लिए संयम की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार तवा रोटी को जलने से बचाता है, रोटी को पकने में मदद करता है, उसी प्रकार संयम ताकत का सही दिशा में रंग दिखाएगी। किंतु इतना समझ लीजिए कि जिस प्रकार अग्नि को विनाशक बनाना आसान है, सृजनकर्ता बनाना कठिन है। उसी प्रकार ताकत के प्रयोग से विनाश करना आसान है लेकिन निर्माण करना अत्यंत मुश्किल।

1. समाज में शक्तिशाली वर्ग कौन – सा है? ताकत की तुलना किससे की गई है?
2. अग्नि के कौन – से दो रूप होते है?
3. ताकत का इस्तेमाल करने के लिए संयम की आवश्यकता होती है। गद्यांश में इसे किस उदाहरण द्वारा समझाया गया है?
4. ताकत का प्रयोग मनुष्य किस प्रकार कर सकता है?
5. 'मनुष्य एक <u>बुद्धिमान</u> प्राणी है'। रेखांकित पद का पद – परिचय दीजिए।

प्र.२ निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 06

अहा! ग्राम्य जीवन भी क्या है, क्यों न इसे सबका जी चाहे
थोडे में निर्वाह यहाँ है, ऐसा अवसर और कहाँ है।
यहाँ शरम की बात नहीं है, अपनी – अपनी घात नहीं है,
आडंबर का काम नहीं है, अनाचार का नाम नहीं है,
सीधे – सीधे भोले – भाले हैं ग्रामीण पुरूष निराले
एक – दूसरे की ममता है, सबसे प्रेममयी समता है
यद्यपि वे काले हैं तन से, पर वे अति उज्ज्वल हैं मनसे
अपना या ईश्वर का बल है, अंत:करण अतीव सरल है।
अतिथि कहीं जब आ जाता है, वह अतिथ्य यहाँ पाता है।
ठहराया जाता है ऐसे, कोई संबंधी हो जैसे।
जलने लगे ज्ञान की ज्योति, शिक्षा की यदि कभी न होती।
तो ये ग्राम स्वर्ग बन जाते, पूर्ण शांति रस में सन जाते।

1. ग्रामीण – जीवन की क्या विशेषता है?
2. ग्रामीण लोगों के पास किसका सहारा होता है?
3. गाँव को स्वर्ग समान बनाने के लिए क्या आवश्यक है?
4. 'अतिथि' शब्द का पर्यायवाची लिखो।

(खंड 'ख' – व्यावहारिक व्याकरण)

प्र.३ क) 'शब्द' और 'पद' के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 03

ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए - 02

i. उसे बहुत <u>जल्दी – जल्दी</u> क्रोध आता है।
ii. <u>चरित्रवान</u> व्यक्ति अच्छे कर्म करता है।

प्र.४ निर्देशानुसार उत्तर लिखिए - 04

1. जो व्यक्ति मेहनती है, उसके लिए सब कुछ संभव है। (सरल वाक्य में बदलिए)
2. बात का धनी समाज में उन्नति करता है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
3. मैं दिल्ली जाकर पढ़ाई करूँगा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
4. जो संसार में जन्म लेता है, वह नाशवान है। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

प्र.५ निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। 03

1. वह मर गया हाय !
2. उस भवन के गिरने की आशा है।
3. वह आने के लिए बोला था।

प्र.६ रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरों द्वारा कीजिए। 03

1. वीर माताएँ देश रक्षा के लिए हँसते – हँसते अपने कलेजे ---------- को सीमा पर भेज देती हैं।
2. श्याम की कोई तारीफ नहीं करता, वह सदैव अपने मुँह ---------- है।
3. जब बुरा समय आता है तब अपने भी आँखे ---------- लगते हैं।

(खंड 'ग' – पठित बोध)

प्र.७ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 06

क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ रहा था। लोग सहम उठे। एक सन्नाटा – सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और पूरी ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ खींचते – खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खींच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानों धरती दो टुकडों में बँटने लगी।

1. ततारा क्रोधित क्यों था?
2. क्रोध में आकर ततारा नें क्या किया तथा इसका क्या परिणाम हुआ?
3. लोग डरे हुए क्यों थे?

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। (2+2+1) 05

1. 'तीसरी कसम' फिल्म को सैल्यूलाईड पर लिखी कविता क्यों कहा गया है?
2. बडे भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे, कैसे?
3. सुभाष बाबू के जुलूस का भार किस पर था?

प्र.९ 'गिरगिट' कहानी में समाज की किन विसंगतियों को उभारा गया है? 05
इन विसंगतियों से समाज को क्या हानि पहुँच रही है? स्पष्ट कीजिए।

प्र.१० निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए। 04

1. जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
   सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि॥
2. सोहत ओढैं पीतु पटु स्याम, सलौनैं गात।
   मनौ नीलमनि – सैल पर आतपु परयौ प्रभात॥

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। (2+2+1) 05

1. बिहारी ने किन बाहरी आडंबरो का खंडन किया है और क्यों? 'बिहारी के दोहे' के आधार पर लिखिए।
2. 'सहस्त्र दृग – सुमन' से क्या तात्पर्य है? 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर बताइए।
3. मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है?

प्र.१२ 'तोप' कविता के आधार पर तोप के अतीत और वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालिए। 'तोप' मानव जाति को क्या सीख देती है? 05

प्र.१३ 'सपनों के से दिन' पाठ में हेडमास्टर जी की बच्चों को मारने – पीटने वाले अध्यापकों के प्रति क्या धारणा थी? जीवन मूल्यों के संदर्भ में उसके औचित्य पर अपने विचार लिखिए। 05

(खंड 'घ' – लेखन कार्य)

प्र.१४ संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय में लगभग ८० - १०० शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 05

क) वन और हमारा पर्यावरण :

- प्रदूषण की वर्तमान समस्या
- वृक्षों का महत्त्व
- व्यक्तिगत एवं सरकारी प्रयास

ख) हमारे बुजुर्ग : हमारी संस्कृति की विरासत

- परिवार के अभिन्न अंग
- दो पीढियों को जोडने वाले
- समाज को संभालने वाले
- समाज का उनके प्रति नैतिक दायित्व

ग) विज्ञापनों की बढती लोकप्रियता :

- विज्ञापन का महत्त्व
- विज्ञापन के क्षेत्र में दिनों – दिन होते हुए परिवर्तन
- गलत प्रदर्शन व दुरूपयोग

प्र.१५ राहगीर और स्थानीय व्यक्ति के बीच रास्ते की पूछताछ के संबंध में हुई बातचीत को लगभग ५० शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए। 05

प्र.१६ विद्यालय में आयोजित होने वाली वाद – विवाद प्रतियोगिता के लिए साहित्यिक क्लब के सचिव की ओर से एक सूचना लगभग ३० शब्दों में तैयार कीजिए। 05

****